

५०४४

१२०१३

१२५५-५६











— ५०४२ —



वृत्तं • ५२ २ •  
 मङ्गल संवत् ५-२३  
 विष्णु संवत् ३-३३  
 मंसी मङ्ग ७ ७ - ५१  
 माकः मङ्ग ०३ ३३







गृहपतिः शुक्रः निवसः सन्निभः सुकर्मधः सुकेतुः महिम्नः स्योमेवि गतिं गृहपतिः मति  
 मतिः उविभुजयमिममुपति स्मि चपडिठिः पतिभीडि विगुणः ॥ सन्निभः वपः सन्निभः  
 वपिमे वरु सन्निभः उध गृहपतिः मतिः सुकर्मधः यस्मिन् सुकर्मधे विविध मतिः सुयुतः गृहपतिः उध ॥ क  
 ठिमः कलपडिठि मि कुतये ठवेडा मुवकपयडल विमतिनी ॥ कपठवठनठलमि कपधः  
 सु महिम्नः य पूरुभायम ॥ वधः कगवडी निव  
 पत्रः नरुडिभः किवः मचे पूरुनः सभायं म  
 पूरु ठवडिः मिगउ उ विमधः ॥ वभउ मदिधः  
 मरु मवडुगुगुः वधः १ गृह ०५ कल १ म  
 मडुः ०५ युगु ०० मतिः ५ उडिगः ५ सुलभ ००

### सर्ववस्तुसूत्रम्

| म | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | म  | रु | मि | रु |
|---|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| १ | ०० | १  | ०० | ०५ | १  | ०० | १  | ०५ | ३  | ३  | ०५ |
| १ | ०० | ०० | १  | १  | ०० | ०० | १  | ३  | ०० | ०० | ३  |

द्वापुकाकी नमः पदियां भिल्लनेक  
 मकेउः -

०३. विरविद्वार

१३. कालागुरु मीनाग (कमीग)

### सर्ववस्तुसूत्रम्

### सर्ववस्तुसूत्रम्

| मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु |
|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|----|
| क  | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु |
| क  | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु |
| क  | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु |
| क  | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु |
| क  | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु |
| क  | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु |
| क  | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु |
| क  | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु |
| क  | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु |
| क  | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु |
| क  | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु | मि | रु |



29  
 46  
 9  
 3  
 5  
 4  
 7  
 2  
 3  
 9  
 0.



[illegible]

|             |  |
|-------------|--|
| मपुष्टिमंदा | १-२३ वेद मि ३० मं ३९ भौ प्र ४६ मि स्थाने कुलस ७८ ३० अंक मांक : ०३३३      |
| विक्रममंदा  | १-१३ ३० चमा ०५ ०५ इ म के प्र ४० नी व स ॥ स्थाने पं सु व ३० अंक रंभी ०७४६ |

*[The following text is extremely faint and largely illegible due to low contrast and significant noise/artifacts.]*



|    |   |
|----|---|
| १३ | ५ |
| १२ | १ |
| ११ | १ |
| १० | १ |
| ९  | १ |
| ८  | १ |
| ७  | १ |
| ६  | १ |
| ५  | १ |
| ४  | १ |
| ३  | १ |
| २  | १ |
| १  | १ |
| ०  | १ |



CC-0. Vijeshwar Panchang Jammu. Digitized by eGangotri



द्विमेव ५.२३ एतदि ३२.५७ अथ ठेवा मीसम भिस्ने अंक मंक ०३३३  
 त्रमेव ७.७३ एतदि ०९।३८ अथ ठेवा अमुस्ने अमु अथ म विक भवति ०७११

[illegible]



[illegible]

[illegible]







CC-0. Vijeshwar Panchang Jammu. Digitized by eGangotri





5





1 2 3 4 5 6 7 8 9 10 11 12 13 14 15 16 17 18 19 20 21 22 23 24 25 26 27 28 29 30 31 32 33 34 35 36 37 38 39 40 41 42 43 44 45 46 47 48 49 50 51 52 53 54 55 56 57 58 59 60 61 62 63 64 65 66 67 68 69 70 71 72 73 74 75 76 77 78 79 80 81 82 83 84 85 86 87 88 89 90 91 92 93 94 95 96 97 98 99 100























40



















9  
9  
9  
9  
9  
9  
9  
9  
9  
9

[illegible]











